चूत मिली लंड खिला

प्रेषक : आकाश

मेरा नाम आकाश, मैं इंदौर का रहने वाला हूँ। मैंने अपनी सामने रहने वाली सोनी से अपने प्यार का इज़हार किया। शायद वो भी मुझे प्यार करती थी, हम दोनों फ़ोन पर ही प्यार की बातें करते थे।

एक दिन उसके घर पर कोई नहीं था, उसका फ़ोन आया और उसने मुझे घर पर आने को कहा। उसके घरवाले तीन दिन के लिए भोपाल गए थे। मैं समझ गया कि आज तो मेरी जिन्दगी का पहला मौका आ ही गया सेक्स करने का !

मैं मस्त नहा कर, दूसरों की नज़रें बचाकर सोनी के घर पहुँच गया। सोनी भी नहा कर मेरा इंतज़ार कर रही थी। मैं उसके पहुँचने के बाद उसके कमरे में गया। सोनी ने पीले रंग का सलवार-कमीज़ पहना था। वो अपने बाल संवार रही थी, उसने मुझे देख कर बैठने को कहा बाहर हॉल में !

मैं उसका इन्तज़ार कर रहा था, सोनी मेरे लिए पानी लेकर आई, मैंने पानी पिया। फिर वो मेरे पास बैठ गई, हम दोनों एक दूसरे को देखने लगे। फिर मैंने हिम्मत करके सोनी का हाथ पकड़ लिया।

सोनी बोली- दूर क्यों बैठे हो ? मेरे पास आकर बैठो !

मैं सोनी से बिल्कुल चिपक कर बैठ गया। अचानक सोनी से मुझे चूमना चालू कर दिया, मैं भी उसका साथ देना लगा। उसकी साँसें तेज़ी से चलने लगीं। मैं उसके स्तन ऊपर से ही सहलाने लगा। उसके मुँह से अहहहहहहह की सिसकरियाँ निकलने लगीं। मैंने अपना हाथ नीचे की तरफ़ खिसकाना शुरू किया, मेरे दिल की धड़कनें बढती ही जा रहीं थीं। मैंने अपना हाथ अब उसकी सलवार के अन्दर घुसा दिया और पैंटी के ऊपर से ही उसकी चूत को सहलाने लगा।

सोनी अब बिल्कुल गरम हो चुकी थी, वो अब सेक्स के लिए बेकरार थी। मैंने उसका सलवार-कुर्ता उतार दिया। अब सोनी केवल ब्रा और पैंटी में ही थी। गुलाबी रंग की ब्रा-पैंटी में वह बहुत ही सेक्सी लग रही थी। उसकी बोबे ब्रा में से निकलने को बेताब हो रहे थे। मैंने उसकी ब्रा को अलग किया। सोनी के दोनों दूध अलग हो गए। सोनी के बोबे कठोर हो रहे थे। मैंने जैसे ही सोनी के बोबे के निप्पल को मुँह में लेकर चूसा, उसकी सिसकारी निकल गई।

सोनी ने भी अब अपना हाथ मेरे पैंट के अन्दर डाल दिया। मैं उसकी चुचियों को पागलों की तरह चूस रहा था। उसने अपने हाथ से मेरा लंड मसलना शुरू कर दिया।

मैंने उसकी पैंटी के ऊपर से ही उसकी योनि का एक चुम्बन लिया, सोनी पागलों की तरह चिल्ला उठी। मैंने उसकी पैंटी को उतार दिया। सोनी अपनी चूत को अपने हाथों से छुपा रही थी, उसे शरम आ रही थी। मैंने उसके हाथों को हटा कर उसकी चूत को जैसे ही देखा मैं हैरान रह गया। गुलाबी रंग की चूत बिना बालों के बड़ी ही सुंदर लग रही थी। मैंने उसके जिस्म को पैरों से लेकर उसके होठों तक बड़ी ही जोश से चूमा, कोई भी अंग और जगह खाली नहीं बची होगी, जहाँ मैंने उसे नहीं चूमा हो।

अब सोनी बोली- प्लीज़ जल्दी करो, मेरे बदन में आग लग रही है !

मैं बोला- मेरी जान ऐसी भी क्या जल्दी है। पहले मुझे तुम्हारी चूत को चूसने तो दो।

और मैंने उसकी चूत को चूसना शुरू कर दिया। सोनी के मुँह से जोर-जोर की सिसकारियाँ निकल रहीं थीं- हाय ये क्या कर रहे हो ? मेरे तो आआ उस्स्स्स्स्स .... स्स्स्स्स्स् .. धीरे ... प्लीज़... दर्द हो रहाआआआ है... उईए... म्माआआआआ.... आआआहह..... रुक्ककक..... जाओ.....

मैं उसकी चूत में अपनी ऊँगली डाल कर अन्दर-बाहर करने लगा।

Copyright © Indian Porn Empire - 2009. All Rights Reserved.

सोनी बोली- प्लीज़ अब मुझे मत तरसाओ, प्लीज़ अपना लंड मेरी चूत में घुसा दो।

मैं बोला- अभी नहीं डार्लिंग... अभी तो मज़ा आया है। मैंने उसकी चूत में अपनी जीभ डाल कर जैसे ही अन्दर बाहर किया, उसने मेरा सिर अपने हाथों से ज़ोर से पकड़ कर अपनी जांघों से जोरों से दबा लिया और उसकी चूत से पानी निकलने लगा, सोनी झड़ने वाली थी।

मैं रुक गया और बोला- अब तुम मेरा लंड अपने मुंह में लेकर चूसो।

सोनी शरमाने लगी, पर वो मान गई और मुँह में मेरा लंड लेकर चूसने लगी। उसने काफी देर तक मेरा लंड चूसा और मैं अपने एक हाथ की ऊँगली उसकी चूत में करने लगा। उसके मुंह से फुच्च-फुच्च की आवाज़ आ रही थी। अब मैं अपना लंड उसके मुंह से निकाल कर उसके चूत की फाँकों पर रगड़ने लगा, सोनी के मुँह से सिसकरियाँ निकल रहीं थीं। सोनी पागल हो रही थी चुदने के लिए।

मैंने अपने लंड का टोपा चूत पर रख कर थोड़ा सा धक्का लगाया, उसकी चूत ने पूरा लंड अंदर ले लिया, सोनी की चीख निकल गई और वह बोली- हाय मैं मर गई, प्लीज़ बाहर निकालो !

मैं बोला- अभी एक मिनट में दर्द बन्द हो जाएगा और तुम्हें मज़ा आने लगेगा।

अब मैंने थोड़ा सा लंड और अन्दर किया, सोनी चिल्लाने लगी, बोली,"प्लीज़ बाहर निकाल लो, नहीं तो मर जाऊँगी ! रुक जाओ प्लीज़ ! दर्द हो रहा है, अभी इतना ही अंदर डाल कर चोदो मुझे।"

उसकी सील टूट चुकी थी और वो अब मेरा लंड अपनी चूत में आराम से अंदर ले रही थी। मैंने उसे धीरे-धीरे चोदना शुरू कर दिया। दो-तीन मिनटों में उसका दर्द जब कुछ कम हुआ तो उसे मज़ा आने लगा। वो बोली,"थोड़ा और अंदर डाल कर और तेज़ी... से चोदो... मुझे !"

मैंने थोड़ा और अंदर दबाया तो मेरा लंड उसकी चूत में ४" तक घुस गया। मैं अपनी गति को बढ़ाते हुए उसे चोदने लगा। वो अपना चूतड़ आगे-पीछे करते हुए मेरा साथ दे रही थी। पाँच मिनट तक चोदने के बाद वो बहुत ज्यादा जोश में आ गई। मैंने अपना पूरा लंड एक ही बार में उसकी चूत में धकेल दिया, सोनी को बहुत दर्द हुआ और उसकी चूत से खून भी निकल आया। वो डरने लगी पर खून ज़ल्दी ही बंद हो गया।

अब मैंने धीरे-धीरे धक्के लगाने शुरू कर दिए अब सोनी को मज़ा आने लगा और वो भी अपने चूतडों को हिला-हिला कर मेरा साथ देने लगी। उसके मुँह से बड़ी ही मादक-मादक आवाजें निकल रहीं थीं। सोनी कहने लगी- प्लीज़ ज़ोर से धक्का लगाओ और सारा लंड अन्दर कर दो, बड़ा ही मज़ा आ रहा है।

मैंने अब अपना सारा ६ इंच का लंड उसकी चूत के अन्दर घुसा दिया। सोनी के मुंह से स्स्स्स्स्स्स्स आह आहहह उस्सुसुसू जैसी मादक आवाजें निकाल रही थी। मैंने अब सोनी की चूत में से अपना लंड निकाल कर उसको घोड़ी स्टाईल में खड़ा कर उसकी चूत में लंड घुसा दिया और धक्के मारने लगा। उसको और मज़ा आने लगा। उसके चूतड़ मुझे बहुत ही आनंद दे रहे थे। २ मिनट में ही वो अपनी चूतड़ उठा-उठा कर मेरे हर धक्के का जवाब देने लगी। मैंने अपनी स्पीड और बढ़ा दी।

सोनी बोली- मुझे कुछ हो रहा है। लगता है मेरी चूत से पानी निकलने वाला है। खूब ज़ोर-ज़ोर से धक्का लगाओ।"

मैं समझ गया कि वो झड़ने वाली है। मैंने बहुत ही तेज़ी के साथ उसकी चुदाई शुरू कर दी।

वो बोली, "आआआ!!! मैंsss आआआsss रहीsss हूँsss और तेज़ sss और तेज़ sss" उसकी चूत से पानी निकलने लगा और मेरा सारा लंड भीग गया। मैं भी बिना रुके उसे आँधी की तरह चोदता रहा। लगभग २० मिनट तक चोदने के बाद मैं उसकी चूत में ही झड़ गया। इस दौरान वो भी ३ बार झड़ चुकी थी। लंड का पूरा पानी उसकी चूत में निकल जाने के बाद मैं हट गया।

उस दिन मैंने उसे ६ बार चोदा और जब कभी मौका मिलता उसे चोदता हूँ।

playboyatindore@gmail.com

०२ जनवरी, २०१०

Copyright © Indian Porn Empire - 2009. All Rights Reserved.

वृक्ष लगाएँ : पृथ्वी बचाएँ !

Copyright © Indian Porn Empire - 2009. All Rights Reserved.